

भारतीय रज़िर्व बैंक ने बैंक लेखा परीक्षकों से संबंधित नयनों को सख्त कर दिया

चर्चा में क्यों?

भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) ने बुधवार को बैंकों के सांघिक लेखा परीक्षकों से संबंधित नयनों को सख्त कर दिया । भारतीय रज़िर्व बैंक के लेखा परीक्षकों द्वारा की जाने वाली लेखा परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी चूक (बैंक के वित्तीय वक्तव्य का गलत तरीका या लेखा रपॉर्ट में गलत जानकारी) के मामले में उनके खिलाफ कार्रवाई करेगा । भारतीय रज़िर्व बैंक ने यह कदम बैंकों में हुए घोटालों को देखते हुए उठाया है जिसमें पंजाब नेशनल बैंक के 13,000 करोड़ रुपए के घोटाले के अलावा अन्य कई बैंकों के घोटाले भी शामिल हैं ।

महत्त्वपूर्ण बडि

- भारतीय रज़िर्व बैंक के अनुसार, यदि लेखा परीक्षा की गुणवत्ता संतोषजनक न मली तो वह नरिदषिट अवधि के लिये ऐसे लेखा परीक्षकों की नयिकृतियों को स्वीकार न करने का अधिकार सुरक्षित रखता है । PNB घोटाले ने बैंकों में लेखा परीक्षा प्रक्रिया में कई चूकों का खुलासा किया था ।
- इस ढाँचे में बैंकों के लेखा परीक्षकों द्वारा वित्तीय वक्तव्यों के साथ-साथ भारतीय रज़िर्व बैंक के नरिदषण के दौरान परसिप्ततियों के वर्गीकरण और वचिलन आदि के उदाहरण शामिल होंगे ।
- पछिले तीन सालों में कई बैंकों ने अपने बैड लोन को कम करके बताया है जिससे पछिले कुछ वर्षों के दौरान गैर-नषिपादति संपत्तियों (NPA) में वृद्धि हुई है ।

लेखा परीक्षकों को कार्रवाई से पूरव दिया जाएगा नोटसि

- भारतीय रज़िर्व बैंक के अनुसार, प्रवर्तन कार्रवाई का नरिणय लेने से पहले सुनवाई का उचित अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा लेखा परीक्षकों को एक लखिति नोटसि दिया जाएगा इसके अनुसार लेखा परीक्षकों को उन्हें लखिति में यह कारण बताने की आवश्यकता होगी कि उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जानी चाहिये ।
- नोटसि का जवाब देने के लिये लेखा परीक्षा फर्मों को 15 कार्य दिवसों की अवधि दी जाएगी ।